

“बिजनेस पोस्ट के अन्तर्गत डाक शुल्क के नगद भुगतान (बिना डाक टिकट) के प्रेषण हेतु अनुमत. क्रमांक जी.2-22-छत्तीसगढ़ गजट / 38 सि. से. भिलाई. दिनांक 30-05-2001.”



पंजीयन क्रमांक
“छत्तीसगढ़/दुर्ग/09/2013-2015.”

छत्तीसगढ़ राजपत्र

(असाधारण)
प्राधिकार से प्रकाशित

क्रमांक 513]

रायपुर, बुधवार, दिनांक 4 अक्टूबर 2023 — अश्विन 12, शक 1945

राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग
मंत्रालय, महानदी भवन, नवा रायपुर अटल नगर

अटल नगर, दिनांक 4 अक्टूबर 2023

सूचना

क्रमांक एफ4-32/सात-1/2022. — छत्तीसगढ़ भू-राजस्व संहिता, 1959 (क. 20 सन् 1959) की धारा 258 सहपठित धारा 31 द्वारा प्रदत्त शक्तियों को प्रयोग में लाते हुए, राज्य सरकार, एतद्वारा, अर्जी-लेखकों के बारे में नियम, 2023 निम्नानुसार बनाया जाना प्रस्तावित करती है, का प्रारूप उक्त संहिता की धारा 258 की उप-धारा (3) के द्वारा अपेक्षित किये गये अनुसार उन समस्त व्यक्तियों, जिनके कि इससे प्रभावित होने की संभावना है, की जानकारी के लिए, एतद्वारा प्रकाशित किया जाता है तथा एतद्वारा सूचित किया जाता है कि उक्त प्रारूप पर इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 15 दिवस के अवसान के पश्चात् विचार किया जायेगा।

कोई आपत्ति या सुझाव, जो उक्त प्रारूप के संबंध में किसी व्यक्ति से विनिर्दिष्ट कालावधि के पूर्व, सचिव, छत्तीसगढ़ शासन, राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग, मंत्रालय, कक्ष क. एस 2-3, महानदी भवन, नवा रायपुर अटल नगर, जिला रायपुर के कार्यालय में कार्यालयीन समय में उक्त कालावधि के अवसान के पूर्व प्राप्त हो, पर विचार किया जायेगा।

नियम प्रारूप

1. संक्षिप्त नाम एवं प्रारंभ.— (1) यह नियम अर्जी-लेखकों के बारे में नियम, 2023 कहलायेगा।

(2) यह राजपत्र में इसके प्रकाशन के दिनांक से प्रवृत्त होंगे।

2. परिभाषाएँ.— इन नियमों में, जब तक संदर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो,—

(एक) “प्रारूप” से अभिप्रेत है इन नियमों से संलग्न प्रारूप;

(दो) “अनुज्ञप्ति” से अभिप्रेत है इन नियमों के अंतर्गत दी गई अनुज्ञप्ति;

(तीन) “अनुज्ञापक प्राधिकारी” से अभिप्रेत है उस जिले का कलेक्टर, जिसमें आवेदक अर्जी-लेखक के रूप में व्यवसाय करने के लिये इच्छुक हो;

- (चार) "अर्जी" से अभिप्रेत है राजस्व अधिकारी को पेश करने के प्रयोजनार्थ लिखे गये आवेदन एवं इसमें अपील या पुनरीक्षण या पुनर्विलोकन की अर्जी सम्मिलित है;
- (पाँच) "अर्जी-लेखक" से अभिप्रेत है इन नियमों के अंतर्गत अर्जी लिखने के लिए अनुज्ञप्ति प्राप्त व्यक्ति;
- (छः) "अर्जी-लेखक के रूप में व्यवसाय करने" से अभिप्रेत है भाड़े पर अर्जी लिखने एवं उसमें भाड़े पर अर्जी का लिखा जाना सम्मिलित है;
- (सात) किसी अर्जी-लेखक का "राजस्व अधिकारी के समक्ष व्यवसाय करना" समझा जाएगा, जब वह उस अधिकारी को पेश किए जाने के प्रयोजनार्थ अर्जी लिखता है।
3. कोई व्यक्ति अर्जी-लेखक के रूप में कार्य नहीं करेगा, जब तक उसे इन नियमों के अंतर्गत सम्यक् रूप से अनुज्ञप्ति न दी गई हो :
- परन्तु, -
- (क) अर्जी लेखकों के संबंध में नियम (अधिसूचना क्र. 367, दिनांक 26.02.1960) या यहाँ प्रवृत्त किसी भी नियम के अंतर्गत अनुज्ञप्ति प्राप्त कोई भी व्यक्ति इन नियमों के अंतर्गत अनुज्ञप्ति प्राप्तकर्ता माना जाएगा; एवं
- (ख) विधि-व्यवसायी या उसके लिपिक का उस किसी भी अर्जी के संबंध में, जो विधि-व्यवसायी द्वारा या उसकी ओर से उसके लिपिक के द्वारा उस राजस्व अधिकारी, जिसके समक्ष व्यवसाय करने हेतु विधि-व्यवसायी योग्य हो, प्रस्तुत किये जाने के लिये लिखी गई हो, अर्जी-लेखक के रूप में व्यवसाय करना नहीं माना जाएगा :
- परन्तु यह और भी, कि जब अर्जी, लिपिक द्वारा लिखी गई हो, वह उनके नियोजक (सेवायोजक) के द्वारा हस्ताक्षर युक्त रहेगी।
4. इन नियमों के अंतर्गत प्रदत्त की गयी अनुज्ञप्तियों की संख्या, समय-समय में अनुज्ञापक प्राधिकारी द्वारा निर्धारित संख्या के अनुसार होगी। इस प्रकार निर्धारित संख्या के अतिरिक्त कोई भी अनुज्ञप्ति प्रदत्त नहीं की जाएगी।
5. अनुज्ञप्ति के लिये आवेदन प्ररूप-1 में आवेदक के द्वारा, अनुज्ञापक प्राधिकारी को व्यक्तिगत रूप से प्रस्तुत किया जाएगा।
6. ऐसे व्यक्ति को कोई अनुज्ञप्ति प्रदत्त नहीं की जाएगी, जो -
- (क) शासकीय सेवक हो;
- (ख) किसी विधि-व्यवसायी के सेवाधीन हो; तथा
- (ग) 21 वर्ष की आयु का न हुआ हो।
7. अनुज्ञापक प्राधिकारी अपने विवेक का उपयोग करते हुए यह समाधान होने पर, कि आवेदक -
- (क) 21 साल की आयु का हो गया है;
- (ख) सत् चरित्रवान है;
- (ग) अंगूठे एवं उंगलियों के स्पष्ट चिन्ह ले सकता है; एवं
- (घ) अन्यथा अर्हताधारी है;
- आवेदक को प्ररूप-2 में अनुज्ञप्ति प्रदत्त कर सकेगा।
8. (1) अनुज्ञप्ति सर्वप्रथम उसके जारी किये जाने की तिथि से एक वर्ष की अवधि के लिये दी जायेगी।
- (2) एक वर्ष की समयावधि के समाप्त होने पर, यदि अनुज्ञापक प्राधिकारी को समाधान हो जाता है, कि अर्जी-लेखक,-
- (क) जहाँ वह कार्य करता है, आधिकारिक भाषा में, स्पष्टरूपेण एवं संक्षिप्ततः अर्जी सुपाठ्य हस्तलिपि में लिखने के लिये सक्षम है; तथा
- (ख) छत्तीसगढ़ भू-राजस्व संहिता, 1959 (1959 का क्र. 20), राजस्व पुस्तक परिपत्र, न्यायालय शुल्क अधिनियम, 1870 (1870 का सं. 7) एवं अन्य समुचित विधानों के उपबंधों से, जहाँ तक अर्जी-लेखक के उत्तरदायित्वों को कुशलतापूर्वक कार्यान्वित करने के लिये उसका ज्ञान आवश्यक है, का जानकार है; तो वह स्थायी अनुज्ञप्ति प्रदत्त कर सकता है।

- (3) यदि अर्जी-लेखक उप-नियम (2) में यथा उपबंधित अनुज्ञापक प्राधिकारी का समाधान करने में असफल रहता है, तो अनुज्ञापक प्राधिकारी उसकी अनुज्ञप्ति की समयावधि को एक वर्ष की आगामी समयावधि के लिये बढ़ा सकेगा एवं दूसरे वर्ष के अंत में उनका समाधान करने में असफल होने पर, उसे स्थायी करने से इंकार कर सकेगा।
9. यदि अनुज्ञप्ति गुम जाये, नष्ट हो जाये, विकृत-रूप हो गई है, फट गई है या वाचन के योग्य न हो, तो अनुज्ञप्ति-धारक अविलंब अनुज्ञप्ति की प्रति के लिये अनुज्ञापक प्राधिकारी को आवेदन करेगा।
10. अनुज्ञापक प्राधिकारी अर्जी-लेखकों की पंजी प्ररूप-3 में संधारित करेगा। प्रत्येक अर्जी-लेखक के लिये पंजी के एक या ज्यादा पृष्ठ पृथक रखे जाएंगे।
11. प्रत्येक अर्जी-लेखक, अर्जियों की एक पंजी प्ररूप-4 में संधारित करेगा एवं उस पर उसके द्वारा लिखित प्रत्येक अर्जी को दर्ज करेगा तथा पंजी को किसी भी राजस्व अधिकारी के निरीक्षणार्थ, जब वैसा करने की वाँछा की जाए, प्रस्तुत करेगा।
12. प्रत्येक अर्जी-लेखक, अपने स्वयं के व्यय पर अपने पास पूर्ण रूप से अंगूठे एवं ऊंगलियों की स्पष्ट छाप लेने की सामग्री तथा निम्नांकित नमूने की शासकीय मुद्रा रखेगा :-
- राजस्व अर्जी-लेखक
नाम
अनुज्ञप्ति क्र.
जिला
13. प्रत्येक अर्जी-लेखक, अर्जी लिखने में, स्वयं को ऐसी सादा तथा सरल भाषा में, जिसे अर्जीदार समझ सकता हो, एवं संक्षिप्ततः तथा युक्ति संगत तौर पर अर्जीदार के कथन तथा उद्देश्य प्रकट करने तक सीमित रखेगा तथा किसी विधिक प्रतिवेदन (लॉ रिपोर्ट) या अन्य विधि पुस्तक से किसी भी अभिवाक् या अवतरण को दर्ज नहीं करेगा, व ऐसे किसी विनिश्चय को निर्दिष्ट करेगा, जिसे अर्जीदार द्वारा उसके संज्ञान में न लाया गया हो।
14. प्रत्येक अर्जी-लेखक, स्वयं के द्वारा लिखित प्रत्येक अर्जी पर अपनी मुद्रा लगाएगा एवं ऐसी अर्जी में वह क्रमांक, जो उसकी पंजी में अर्जी का अनुक्रमांक होगा एवं उसे लेखबद्ध करने के लिये प्रभारित शुल्क दर्ज करेगा। वह अर्जी के बाएं कोने में उस पर देय समुचित न्यायालय शुल्क को भी पृष्ठांकित करेगा।
15. जब किसी राजस्व अधिकारी के आदेश द्वारा ऐसा किया जाना अपेक्षित हो, तो प्रत्येक अर्जी-लेखक, अपने स्वयं के खर्च पर, उसके द्वारा लिखित किसी भी अर्जी को पुनः लिखेगा।
16. (1) प्रत्येक अर्जी-लेखक, प्रति पृष्ठ 5 रुपये का शुल्क प्रभारित करेगा तथा अर्जी पर एवं पंजी में भी अपने द्वारा वास्तव में प्राप्त की गई धनराशि को उल्लिखित करेगा।
- (2) कोई भी अर्जी-लेखक किसी भी वाद के परिणाम के हित में, जिसके विषय में उसे नियोजित किया गया हो, अपनी सेवाओं के लिये भुगतान प्राप्त नहीं करेगा एवं वह किसी भी वाद को चलाने में योजित निधि को प्राप्त या उसमें अंशदान नहीं कर सकेगा, जिसमें वह अन्यथा व्यक्तिगत रूप से हितबद्ध न हो।
- (3) प्रत्येक अर्जी-लेखक अपने नियोजक को अपने द्वारा प्राप्त धनराशि के लिये पावती प्रदत्त करेगा, जिसमें अर्जी का दिनांक एवं पृष्ठों की संख्या का भी स्पष्ट लेख होगा।
17. कोई भी अर्जी-लेखक, उस मामले से अन्यथा, जिसमें वह स्वयं पक्षकार हो, राजस्व अधिकारी के समक्ष किसी प्रकरण के संचालन के लिये किसी भी मुख्तारनामे आम या खास को स्वीकार नहीं करेगा।
18. प्रत्येक अर्जी-लेखक,—
- (क) जो, अर्जी-लेखक के रूप में व्यवसाय करना बंद करता है; या
- (ख) जो, शासन या किसी विधि-व्यवसायी की सेवा में प्रवेश करता है; या
- (ग) जिसकी अनुज्ञप्ति रद्द की गई हो,
- अपनी अनुज्ञप्ति, अनुज्ञापक प्राधिकारी को अविलंब समर्पित करेगा।
19. कोई राजस्व अधिकारी जो, अर्जी-लेखक को नियोजित करने वाले किसी भी व्यक्ति के अभ्यावेदन पर एवं ऐसे अर्जी-लेखक की सुनने के पश्चात् (यदि वह इस प्रकार सुने जाने की वाँछा करे) पाता है, कि उसे प्रस्तुत की गई अर्जी के लेखन के लिये प्रभारित शुल्क अधिक था तो वह ऐसी परिस्थितियों में लिखित आदेश द्वारा, ऐसी रकम इतनी घटा सकता है, जो युक्तियुक्त एवं यथोचित प्रतीत हो, एवं अर्जी-लेखक ऐसी धनराशि से अधिक प्राप्त की गई रकम को लौटा देने की अपेक्षा कर सकता है।

20. कोई राजस्व अधिकारी, अर्जी-लेखक को उसके द्वारा लिखित किसी भी अर्जी का बिना अतिरिक्त पारिश्रमिक दिये पुनः लिखने के लिये आदेश दे सकेगा, जो नियम 12 का उल्लंघन करे या वाचन के योग्य न हो, अस्पष्ट हो, या अति विस्तृत हो या जिसमें कोई भी असंगत विषय या मिथ्या अवतरण हो या किसी भी अन्य कारण से, जो ऐसे अधिकारी की राय में अनौपचारिक या अन्यथा आपत्तिजनक हो।
21. अनुज्ञापक प्राधिकारी, उस अर्जी-लेखक की अनुज्ञप्ति को निलंबित या रद्द कर सकेगा, जो, -
- (1) नियम 18 या 19 के अंतर्गत राजस्व अधिकारी के द्वारा दिये गये किसी आदेश को युक्तिसंगत समय पर कार्यान्वित नहीं करता है; या
 - (2) अर्जियों को अभ्यासतः नियम 12 के विरुद्ध या असंगत विषयक या जो अनावश्यक या अनौपचारिक हो या अन्यथा आपत्तिजनक हो, लिखता हो; या
 - (3) अर्जी-लेखक के रूप में उसके कारबार के दौरान अनादरपूर्ण, अपमानजनक या दुर्वचनयुक्त भाषा का प्रयोग हो; या
 - (4) अर्जी-लेखक के कार्यों के निर्वहन में अकुशल पाया गया हो; या
 - (5) अर्जी-लेखक के रूप में अपने कर्तव्य के निर्वहन में किसी भी कपटपूर्ण या अनुचित आचरण के कारण ऐसा व्यवसाय करने हेतु अयोग्य पाया गया हो; या
 - (6) दाण्डिक अपराध का दोषसिद्ध हो; या
 - (7) न्यायालय की कार्यावधि के दौरान अभ्यासतः अनुपस्थित रहता है या बिना पर्याप्त कारण के दीर्घ कालावधि तक अपने निवास से अनुपस्थित हो:

किन्तु, अनुज्ञापक प्राधिकारी द्वारा नियम 21 के अंतर्गत कोई भी आदेश तब तक पारित नहीं किया जाएगा, जब तक उस व्यक्ति या अवहेलनाकर्ता अर्जी-लेखक को स्वयं के बचाव का अवसर न दिया गया हो।

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार,
हिना अनिमेष नेताम, संयुक्त सचिव.

प्रारूप-1

[नियम 4 देखिए]

अनुज्ञप्ति के लिये आवेदन का प्रारूप
(आवेदक द्वारा अपने स्वतः के हस्तलेख में लेखनीय)

प्रति,

अनुज्ञापक प्राधिकारी
जिला-..... (छत्तीसगढ़)

1. आवेदक का पूरा नाम एवं पता
2. पिता का नाम
3. जन्म तिथि
4. शैक्षणिक अर्हताएँ, उत्तीर्ण वर्ष एवं संस्था
5. वर्तमान उपजीविका, यदि कोई हो
6. क्या आवेदक अनुसूचित जाति या अनुसूचित जनजाति या अन्य पिछड़ा वर्ग का है; यदि ऐसा है, तो ऐसी जाति या जनजाति का नाम
7. भाषा, जिससे आवेदक परिचित है
8. आवेदन के चरित्र के लिए, संदर्भ के रूप में दो व्यक्तियों का नाम पता सहित
9. क्या शासकीय सेवा से हटाया गया है; यदि ऐसा हो तो, विवरण दीजिए
10. क्या दाण्डिक अपराध के लिये दोषसिद्ध हुआ है; यदि ऐसा हो तो, विवरण दीजिए
11. यदि शासन या विधि-व्यवसायी की सेवा में हो तो, क्या अनुज्ञप्ति प्राप्त होने पर त्यागपत्र देने को तैयार है

12. क्या पूर्व में इस जिले में या अनुज्ञप्ति के लिये आवेदन किया था; यदि ऐसा हो, तो उसका परिणाम.
13. संपर्क विवरण (फोन नं. और ई-मेल पता)
14. बैंक खाता नं.
15. शासकीय पहचान पत्र क्रमांक.
मैं उपरोक्त विवरण को एतद्वारा सत्यापित करता हूँ एवं अर्जी-लेखक की अनुज्ञप्ति के लिए आवेदन करता हूँ।

स्थान:-

दिनांक:-

हस्ताक्षर

प्ररूप-2

[नियम 6 देखिए]

अनुज्ञप्ति का प्ररूप

प्रमाणित किया जाता है कि श्री/सुश्री/श्रीमती..... निवासीको जिले के राजस्व अर्जी-लेखक के रूप में अनुज्ञापित किया गया है एवं (स्थान का विवरण) में ऐसे अर्जी-लेखक से संबंधी नियमों के द्वारा वर्णित की गई रीति से एवं उक्त नियमों के प्रावधानों के अधधीन रहते हुए व्यवसाय करने की एतद्वारा अनुज्ञप्ति प्रदान की गई है।

अनुज्ञप्ति तक मान्य रहेगी।

अनुज्ञप्ति की कालावधि तक वृद्धि की गई।

अनुज्ञप्ति स्थायी रूप से प्रदान की गई।

(दिनांक) को मेरे हस्ताक्षर एवं इस कार्यालय की मुद्रा के अंतर्गत प्रदान की गई।

मुद्रा

अनुज्ञापक प्राधिकारी

प्ररूप 3

[नियम 9 देखिए]

अनुज्ञापित अर्जी-लेखकों की पंजी

पंजी क्रमांक

अर्जी लेखक का नाम

पिता का नाम

पता

फोन नं.....

ई-मेल पता.....

बैंक खाता नं.....

शासकीय पहचान पत्र क्रमांक.....

व्यवसाय का स्थान

अनुज्ञप्ति प्रदत्त करने की तिथि

स्थायी अनुज्ञप्ति प्रदत्त करने की तिथि

*टिप्पणी

*टिप्पणी में नियम 7(3), 18, 19, 20 एवं 21 के अंतर्गत पारित किए गए किसी भी आदेश को दर्ज किया जायेगा।

प्ररूप-4
[नियम 10 देखिए]
अर्जी-लेखकों द्वारा संधारित की जाने वाली पंजी

अर्जी का सरल क्रमांक	अर्जी की तिथि	अर्जीदार का नाम, पिता/पति का नाम एवं निवास
(1)	(2)	(3)
अर्जी का सार	अर्जी के पृष्ठों की संख्या	अर्जी लेखन के लिये प्रभारित शुल्क (रुपये)
(4)	(5)	(6)
टिप्पणियाँ	अर्जीदार का हस्ताक्षर	अर्जी-लेखक के हस्ताक्षर
(7)	(8)	(9)

Atal Nagar, the 4th October 2023

NOTICE

No. F4-32/7-1/2022.—The following draft of the Rules regarding Petition-Writers, 2023 which the State Government, in exercise of the powers conferred by Section 258 read with Section 31 of the Chhattisgarh Land Revenue Code, 1959 (No. 20 of 1959), proposes to make, hereby, as required by sub-section (3) of Section 258 of the said Code, for the information of all persons likely to be effected thereby and notice is hereby given that the said draft shall be taken into consideration after the expiry of 15 days from the date of publication of this notification in the Official Gazette.

Any objection or suggestions regarding the said draft received from any person before the specified period, during office hours in the office of the Secretary, Government of Chhattisgarh, Department of Revenue and Disaster Management, Mantralaya, Room number S 2-3, Mahanadi Bhawan, Nava Raipur Atal Nagar, District Raipur before the expiry of the said period, shall be taken into consideration.

DRAFT RULES

1. Short title and commencement.- (1) These rules may be called the Rules Regarding Petition-Writers, 2023.

(2) They shall come into force from the date of its publication in the Official Gazette

2. Definitions.- In these rules, unless the context otherwise requires,-

- (i) "Form" means a form appended to these rules;
- (ii) "Licence" means a licence granted under these rules;
- (iii) "Licensing Authority" means the Collector of the district in which the applicant desires to practice as a petition-writer;
- (iv) "Petition" means a document written for the purpose of being presented to a Revenue Officer and includes a petition of appeal or revision or review;
- (v) "Petition-Writer" means a person licensed under these rules to write petitions;
- (vi) "To practice as a petition-writer" means to write petitions for hire and includes the writing of a single petition for hire;
- (vii) a petition-writer is said "to Practice before a Revenue Officer" when he writes petitions for the purpose of being presented to that officer.

3. No person shall practice as petition-writer, unless he has been duly licensed under these rules:

Provided that,-

- (a) any person licensed under the Rule Regarding Petition-Writers (Notification No. 367, dated 26.02.1960) or any rule hitherto in force shall be deemed to have been licensed under these rules; and
- (b) a legal practitioner or his clerk shall not be considered to practice as a petition-writer, in respect of any petition written by the legal practitioner or by his clerk on his behalf for presentation to a Revenue Officer before whom the legal practitioner is qualified to practice:

Provided further that when the petition is written by a clerk it shall be signed by his employer.

- 4. The numbers of licences to be granted under these rules shall be in accordance with the scale fixed by the Licensing Authority from time to time. No licences shall be granted in excess of the scale so fixed.
- 5. An application for a licence shall be made in Form-1 shall be presented in person by the applicant to the Licensing Authority.
- 6. No licence shall be granted to a person who,-
 - (a) is servant of Government;
 - (b) is in the employment of a legal practitioner; and
 - (c) has not attained the age of 21 years.
- 7. The licensing Authority may, in its discretion on being satisfied that the applicant,-
 - (a) has attained 21 years of age;
 - (b) is of good character;
 - (c) is able to take clear thumb and finger impressions; and
 - (d) is otherwise eligible;
 grant the applicant a licence in Form 2.
- 8. (1) A licence shall be granted in the first instance for a period of one year from the date of its issue.
 (2) On the expiration of the period of one year, if the Licensing Authority is satisfied that the petition-writer, -
 - (a) is able to draw up in a legible hand a clear and concise petition in the official language of the place where he practices; and
 - (b) is acquainted with the provisions of the Chhattisgarh Land Revenue Code, 1959 (No. 20 of 1959), the Revenue Book Circular, the Court- fees Act, 1870 (VII of 1870), and the other appropriate enactments, so far as their knowledge is necessary for the efficient performance of the duties of a petition-writer;
 he may grant a permanent licence.
 - (3) If the petition-writer fails to satisfy the Licensing Authority as provided in sub-rule (2), the Licensing Authority may extend the period of his licence for a further period of one year and on his failure to account satisfactorily at the end of the second year, may refuse to make it permanent.
- 9. If a licence is lost, destroyed, defaced, torn or becomes illegible, the licensee shall forthwith apply to the Licensing Authority for a copy of the licence.
- 10. The Licensing Authority shall maintain a register of petition-writers in Form-3. A page or pages of the register shall be set apart for each petition-writer.
- 11. Every petition-writer shall maintain a register of petition-writers in Form-4 and shall enter therein every petition written by him, and shall produce the register for the inspection of any Revenue Officer, when required to do so.

- 12.** Every petition-writer shall, at his own expense, provide himself with a complete set of appliances for obtaining clear thumb and finger Impression and an official seal of the following pattern:-

Revenue Petition Writer

Name

Licence No.

District

- 13.** Every petition-writer, in writing petitions, shall confine himself to expressing in plain and simple language such as the petitioner can understand and in a concise and proper form the statements and objects of the petitioner and shall not introduce any argument of quotation from a law report or other law book to refer to any decision not brought to his notice by the petitioner.
- 14.** Every petition-writer shall affix his seal on every petition written by him, and shall enter on such petition the number which it bears in his register and the fee which has been charged for writing it. He shall also endorse on the left-hand corner of the petition the proper court-fee chargeable on it.
- 15.** Every petition writer shall re-write, at his own cost, any petition written by himself, when required to do so by the order of any Revenue Officer.
- 16.** (1) Every petition writer shall charge Rs 5 per page, and shall note in the petition and also in the register the amount actually received by him.
 (2) No petition-writer shall receive payment for his services by an interest in the result of any litigation in connection with which he is employed, and shall find or contribute towards the funds employed in carrying on any litigation in which he is not otherwise personally interested.
 (3) Every petition writer shall give to his employer a receipt for the amount received by him, which shall clearly bear the date of petition and the number of pages also.
- 17.** No petition-writer shall accept any Mukhtyarnama, whether general or special, for the conduct of any case before a Revenue Officer other than a case in which he is himself a party.
- 18.** Every petition-writer,-
 (a) who ceases to practice as a petition-writer; or
 (b) who enters the service of Government or of a legal practitioner, or
 (c) whose licence is cancelled;
 shall forthwith surrender his license to the Licensing Authority.
- 19.** Any Revenue Officer, who on the representation of any person employing a petition-writer and after hearing such petition-writer (if he desires to be so heard), finds that the fee charged for writing a petition presented to him was excessive, may by order in writing, reduce the same to such sum as appears to be, under the circumstances, reasonable and proper and may require the petition-writer to refund the amount received in excess of such sum.
- 20.** Any Revenue Officer may order a petition writer to re-write without extra remuneration any petition written by him which contravenes rule 12 or is illegible, obscure or prolix or contains any irrelevant matter or misquotation or is, from any other cause, in the opinion of such officer informal or otherwise objectionable
- 21.** The Licensing Authority may suspend or cancel the licence of a petition-writer who-
 (1) does not carry out within a reasonable time the order of a revenue Officer made under Rule 18 or 19; or
 (2) habitually writes petitions contrary to rule 12 or irrelevant matter or which are unnecessary or informal or otherwise objectionable: or

- (3) in the course of his business as a petition-writer uses disrespectful, insulting or abusive language; or
- (4) is found to be incapable of efficiently discharging the function of a petition-writer; or
- (5) by reasons of any fraudulent or improper conduct in the discharge of his duty as petition-writer is found to be unfit to practice as such; or
- (6) is convicted of a criminal offence; or
- (7) habitually remains absent during Court hours or is absent from his quarters for considerable period without sufficient cause:

Provided that no order under rule 21 shall be passed by the Licensing Authority until the person or petition-writer in fault has been given an opportunity of defending himself.

By order and in the name of the Governor of Chhattisgarh,
HINA ANIMESH NETAM, Joint Secretary.

FORM-1
(See rules 4)

FORM OF APPLICATION FOR LICENCE
(To be written by the applicant in his own handwriting)

To

The Licensing Authority
District (Chhattisgarh)

1. Applicant's full name and address
2. Father's name.
3. Date of birth.
4. Educational qualifications, passing years and the institutions.
5. Present occupation, if any.
6. Whether the applicant belongs to Scheduled Caste or Scheduled Tribes or Other Backward Classes, if so name of such caste or tribe.
7. The language(s) with which the applicant is acquainted.
8. Names of two persons with addresses as references for the applicant's character.
9. Whether removed from service of Government, if so, give particulars.
10. Whether convicted of a criminal offence; if so, give particulars.
11. If in service of Government or a legal practitioner, whether prepared to resign on securing the licence.
12. Whether applied for licence previously in this district and, if so, to what effect.
13. Contact detail. (Phone number and E-mail address)
14. Bank Account number.
15. Government identity card number.

I hereby affirm the above details and apply for the License of Petition-Writer.

Place
Date

Signature

FORM-2
(See rules 6)
FORM OF LICENCE

Certified that Mr./Ms./Mrs., resident of has been licensed as a revenue petition-writer in the district, and is hereby permitted to practice at (name of place) in the manner prescribed by the rules relating to such petition-writers and subjects to the provisions of the said rules.

The licence is valid up to

Period of licence extended up to

Licence granted permanently

Given under my hand and the seal of this office on(date).

Seal

Licensing Authority.

FORM-3
(See rules 9)

REGISTER OF LICENSED PETITION-WRITERS

Register No.....

Name of petition-writer.....

Father's name.....

Address

Phone number

E-mail address.....

Bank Account number.

Government identity card number.....

Place of business.....

Date of grant of licence.....

Date of grant of permanent licence

*Remarks

* Any order passed under the rule 7(3), 18, 19, 20 and 21 shall be entered in remarks.

FORM-4
(See rules 10)

REGISTER TO BE MAINTAINED BY PETITION-WRITER

Serial No. of Petition	Date of petition	Name of petitioner, Name of father/ husband and residence
(1)	(2)	(3)
Summary of petition	No. of pages of Petition	Fee charged for writing of petition (Rs)
(4)	(5)	(6)
Remarks	Signature of petitioner	Signature of petition writer
(7)	(8)	(9)